Navodaya Times, May 18, 2022

डेयरी उद्योग को वैश्विक मंच पर स्थापित करेगी सरकार

48 साल बाद दिल्ली में होगा वर्ल्ड डेयरी सम्मिट, जुटेंगे दुनियाभर के दिग्गज

नई दिल्ली, 17 मई (नवोदय टाइम्स): देश में 48 साल बाद वर्ल्ड डेयरी सम्मिट का आयोजन किया जाएगा। सितम्बर में 4 दिन के लिए आयोजित होने वाले डेयरी क्षेत्र के इस वैश्विक सम्मेलन में 40 देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। केंद्रीय मत्स्य पालन और पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री डॉ. संजीव कुमार बालियान ने कहा कि 12 से 15 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाला यह सम्मेलन कोरोना के बाद होने वाला पहला फिजिकल या व्यक्तिगत कार्यक्रम होगा। सम्मेलन का उद्देश्य देश में डेयरी उद्योग के विकास में वैश्विक पेशेवरों की दक्षता का लाभ लेना और भारतीय डेयरी उद्योग

को वैश्विक मंच पर स्थापित करना भी है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि दुनिया में डेयरी क्षेत्र में विकास दर 2 प्रतिशत है, जबकि हमारे देश में यह दर 6 प्रतिशत है। आने वाले समय में भारत में इस क्षेत्र में विकास दर और बढ़ेगी। उन्होंने कह कि इस समय भारत दुनिया में दुग्ध उत्पादन में नंबर एक पर है। भारत का उत्पादन 21 करोड़ टन है। दुनिया में दूध की उपलब्धता प्रति व्यक्ति 310 ग्राम प्रतिदिन है, जबकि भारत में 427 ग्राम प्रति दिन है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में डेयरी उद्योग सामुदायिक या कॉपरेटिव है। इससे बड़े स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार भी सृजित हो रहे हैं।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के चेयरमेन और आइडीएफ के इंडियन नेशनल कमेटी के सदस्य सचिव मीनेश शाह ने कहा कि हमारे देश में डेयरी उद्योग कितना महत्वपूर्ण है। इससे आठ करोड़ किसान जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ ही ग्रामीण स्तर पर लाखों रोजगार भी सृजित करता है। ऐसे में यह समझा जा सकता है कि वर्ल्ड डेयरी सम्मिट भारत के लिए कितना अहम है। उन्होंने कहा कि न केवल किसान बल्कि भूमिहीन किसान भी दुग्ध क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। हमारे देश में दूध के काम से हजारों लाखों लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंधित हैं। यही वजह है कि इस इस वर्ल्ड सम्मिट की थीम लाइवलीहुड एंड न्यूट्रिशन रखी गई है।